अग्रवाल महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

जश्न–ए– आज़ादी पखवाड़े के तहत आयोजित कार्यक्रम में आज दिनांक 19 अगस्त, 2016 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के इंटेक यंग हैरिटेज क्लब की छात्राओं ने बल्लबगढ़ के आस–पास के ऐतिहासिक स्थल मुख्यतः रानी की छतरी व राजा नागर सिंह पैलेस का भ्रमण किया जिसका नेतृत्व इतिहास विभागाध्यक्ष व क्लब संयोजक डॉ0 जयपाल सिंह ने किया. क्लब की छात्राओं को हैरिटेज भ्रमण के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वतन्त्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है. इस अवसर पर देश के लिए जान न्यौछावर करने वाले शहीदों को सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य है. तत्पश्चात उन्होंने हरी झड़ी दिखाकर उन्हें रवाना किया. यह क्लब वर्ष 2009 से निरंतर विभिन्न प्रतियोगिताओ व शैक्षणिक भ्रमण द्वारा युवा पीढ़ी को भारत की ऐतिहासिक विरासतों एवं भारत की सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान कराता है.

डॉ0 जयपाल सिंह ने राजा नाहर सिंह पैलेस पहुँचकर जानकारी दी कि राजा नाहर सिंह का नाम प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के हरियाणवी योद्धाओं में प्रमुखता से लिया जाता है. वे सन 1839 मे बल्लबगढ़ रियासत के शासक बने थे और अंग्रेजों के कट्टर विरोधी थे. उन्होंने दिल्ली के मुगल सम्राट बहादुरशाह को सैनिक सहायता भेजकर अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने की कोशिश की थी. उन पर राजद्रोह का मुकद्दमा चला और अन्त में 9 जनवरी, 1858 को दिल्ली के चाँदनी चौक पर फांसी दे दी गई थी. तत्पश्चात छात्राओं ने सिविल अस्पताल बल्लबगढ़ में स्थित रानी की छतरी का अवलोकन किया. डॉ0 जयपाल सिंह ने बताया कि 1739 ई0 में बल्लबगढ़ के राजा बलराम ने अपनी रानी के लिए इसे बनवाया था. इस तालाब में रानी स्नान किया करती थी. आगरा नहर में बहने वाली युमना के पानी को राजवाहे द्वारा इस तालाब को भरा जाता था और छत पर हवन व पूजा करती थी. आज भी छतरी के ऊपर हवन करने के लिए यज्ञशालाएँ बनी हुई है. उन्होंने यह भी बताया कि इंटेक ने प्रशासन के साथ मिलकर

रानी की छतरी के जीर्णोद्वार के लिए योजना बनाकर हरियाणा सरकार के पास भेजी हुई है. मंजूरी मिलने पर रानी की छतरी की सुन्दरता बढ़ जाएगी. इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक श्री लवकेश और श्री राकेश शर्मा भी मौजूद थे.

....

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के संभाग तृतीय के सभागार में दिनांक 19–08–2016 को कम्प्यूटर विभाग के तत्वावधान में जश्न–ए– आज़ादी के पखवाड़े के अन्तर्गत "आज़ादी के 70 साल, याद करो कुर्बानी" के तहत पी.पी.टी. प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया और देश के प्रति अपनी देश भक्ति व जागरुकता प्रकट की. प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी पी.पी.टी. प्रस्तुत करने के लिए 5–7 मिनट का समय दिया गया. निर्णायक मंडल का कार्यभार डॉ0 रेखा सेन, श्रीमती मोहनी वर्मा व श्री विनित नागपाल के द्वारा संभाला गया. इस प्रतियोगिता को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता के दिशा निर्देशन में किया गया और इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा उभर कर सामने आती है और उनके अंदर आत्मविश्वास उत्पन्न किया जा सकता है.

विद्यार्थीयों ने स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, कारगिर युद्ध, भ्रष्टाचार और देश के वीर क्रान्तिकारियों पर अपने विचार पी.पी.टी के माध्यम से प्रस्तुत किये. अनेक वीर योद्धाओं जैसे भगत सिंह, मंगल पांडे, माहत्मा गाँधी आदि की वो बाते भी बताई जिनसे हम अंजान थे. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अलिशा (एम.एस.सी. फाइनल), द्वितीय स्थान पर हीना (बी.सी.ए. तृतीय) तथा डोली (बी.वॉक.), तृतीय स्थान पर मानसी (बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष) तथा चतुर्थ स्थान पर रितेश कुमार (बी.सी.ए. प्रथम वर्ष) रहे. कार्यक्रम का नेतृत्व कम्प्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 सचिन गर्ग द्वारा किया गया. कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती तरुणा भाटिया ने किया. इस अवसर पर कम्प्यूटर विभाग के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे.